RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2023-2024

सच्चाई से सरोकार

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक- 47 | भीलवाड़ा, सोमवार, 25 मई 2026 | पृष्ठ-04 | मूल्य-04 रूपये

बकरीद से पहले एक्शन मोड में योगी सरकार .....

खुले में कुर्बानी और सड़क पर नमाज पर सख्ती, अवैध स्लॉटर हाउस पर भी कार्रवाई के निर्देश

▪ स्मार्ट हलचल

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में आगामी बकरीद (ईद-उल-अजहा) को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रही है। मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था और धार्मिक सौहार्द बनाए रखने को लेकर अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थलों पर कुर्बानी की अनुमति नहीं होगी और सड़क, चौराहों या खुले स्थानों पर नमाज अदा करने की इजाजत भी नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि बकरीद का पर्व पारंपरिक तरीके और निर्धारित स्थानों पर ही मनाया जाए। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के दौरान आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा यातायात व्यवस्था बाधित नहीं होनी चाहिए। सरकार ने प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी पर "जीरो टॉलरेंस" नीति लागू रखने के निर्देश भी दिए हैं।

राज्य सरकार ने अवैध स्लॉटर हाउस और खुले में मांस बिक्री के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि

पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने और ड्रोन व सीसीटीवी से निगरानी बढ़ाने की तैयारी की जा रही है।

सरकार की ओर से यह भी कहा गया है कि धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए कानून व्यवस्था और सार्वजनिक अनुशासन बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बिजली, साफ-सफाई और पेयजल जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं सुचारू रखने के भी निर्देश दिए हैं ताकि त्योहार शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

इस बीच बरेली स्थित आला हजरत दरगाह की ओर से भी मुस्लिम समुदाय से अपील की गई है कि प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी न दी जाए और कानून का पालन किया जाए। दरगाह प्रशासन ने इसे सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की दिशा में जरूरी कदम बताया है।

सरकार के फैसले को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। विपक्षी दलों के कुछ नेताओं ने इसे धार्मिक स्वतंत्रता से जोड़कर सवाल उठाए हैं, जबकि भाजपा और सरकार समर्थक इसे कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम बता रहे हैं।

12 सांसदों और 4 संसदीय समितियों को मिलेगा संसद रत्न पुरस्कार

▪ स्मार्ट हलचल

जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे और डॉ. श्रीकांत शिंदे समेत कई वरिष्ठ सांसद सूची में शामिल

दिल्ली । संसद में उत्कृष्ट प्रदर्शन, सक्रिय भागीदारी और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने वाले 12 सांसदों तथा 4 संसदीय समितियों को इस वर्ष के प्रतिष्ठित "संसद रत्न पुरस्कार" के लिए चुना गया है। यह सम्मान चेन्नई स्थित Prime Point Foundation द्वारा दिया जाता है, जिसकी शुरुआत पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के सुझाव पर वर्ष 2010 में की गई थी।

इस वर्ष चयनित प्रमुख सांसदों में जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, पी. पी. चौधरी तथा डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे शामिल हैं। इनके अलावा प्रवीण पटेल, बिद्युत बरन महतो, लुम्बाराम चौधरी, डॉ. हेमंत विष्णु सवरा, स्मिता उदय वाघ, नरेश गणपत म्हास्के, डॉ. मेधा कुलकर्णी और नरहरि अमीन को भी सम्मान के लिए चुना गया है।

फाउंडेशन की ओर से जारी जानकारी के अनुसार सांसदों का चयन संसद के बजट सत्र 2026 तक उनके प्रदर्शन, बहसों में भागीदारी, प्रश्न पूछने, निजी विधेयकों और संसदीय कार्यों में सक्रिय योगदान के आधार पर किया गया है। चयन प्रक्रिया में संसदीय आंकड़ों और कार्य रिकॉर्ड का मूल्यांकन किया गया।

इन संसदीय समितियों को भी मिलेगा सम्मान

इस वर्ष 4 संसदीय समितियों को भी उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए संसद रत्न सम्मान दिया जाएगा। इनमें शामिल हैं:

कृषि समिति
वित्त समिति
ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज समिति
कोयला एवं खान समिति

इन समितियों के अध्यक्षों में चरणजीत सिंह चन्नी, भर्तृहरि महताब, सप्तगिरि शंकर उलाका तथा अनुराग ठाकुर प्रमुख रूप से शामिल हैं।

संसद रत्न पुरस्कार समिति की अध्यक्ष प्रियदर्शिनी राहुल ने बताया कि यह सम्मान उन सांसदों को दिया जाता है जिन्होंने संसद में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने और जनहित के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस वर्ष पुरस्कार समारोह जुलाई में आयोजित किया जाएगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संसद में सक्रिय भागीदारी और जवाबदेही को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे पुरस्कार लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत बनाते हैं।

कर्नाटक में बड़ा हादसा, नदी में डूबने से 8 लोगों की मौत

मृतकों में 7 महिलाएं शामिल, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख; मुआवजे का ऐलान

▪ स्मार्ट हलचल

बेंगलुरु । कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 7 महिलाओं समेत 8 लोगों की नदी में डूबने से मौत हो गई। हादसा भटकल क्षेत्र के तट्टे हक्कलू नदी इलाके में हुआ, जहां एक परिवार और स्थानीय लोग नदी में सीप (मसल्स) इकट्ठा करने गए थे। अचानक तेज बहाव आने से कई लोग गहरे पानी में फंस गए और देखते ही देखते बड़ा हादसा हो गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार करीब 14 लोग नदी में उतरे थे। इसी दौरान पानी का बहाव अचानक तेज हो गया। कुछ लोग बहने लगे तो उन्हें बचाने के प्रयास में अन्य लोग भी नदी में कूद पड़े, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। हादसे में अब तक 8 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि कुछ समय तक दो अन्य लोगों की तलाश भी जारी रही।

मृतकों की पहचान उमेश मंजूनाथ नाइक, लक्ष्मी महादेव नाइक, लक्ष्मी जट्टप्पा नाइक, लक्ष्मी अप्पन्ना नाइक, लक्ष्मी शिवराम नाइक, ज्योति मस्तम्मा नाइक, मालती नाइक और मस्तम्मा नाइक के रूप में हुई है। सभी मृतक भटकल तालुक के शिराली गांव के निवासी बताए गए हैं।

घटना के बाद स्थानीय प्रशासन, पुलिस, अग्निशमन दल और राहत-बचाव टीमों ने मौके पर पहुंचकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। नदी में तेज बहाव और बारिश के कारण रेस्क्यू अभियान में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। दो महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और राहत कार्यों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी संदेश में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए राहत सहायता की घोषणा की गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार नदी में सीप इकट्ठा करना क्षेत्र की पारंपरिक गतिविधि है, लेकिन हाल के दिनों में लगातार बारिश के कारण नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ था। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बारिश के मौसम में नदी और जलाशयों के आसपास सतर्कता बरतें।

RBI करेंसी चेस्ट से 8.7 करोड़ की चोरी, बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

कैश से खरीदा बंगला, दुकान और लग्जरी कार; महिला स्टाफ को भी दिए 28 लाख

▪ स्मार्ट हलचल

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) से जुड़े करेंसी चेस्ट से करीब 8.7 करोड़ की बड़ी चोरी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने बैंक ऑफ बड़ौदा के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर लंबे समय तक सुनियोजित तरीके से रकम निकालकर करोड़ों की संपत्ति बना ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने चोरी की रकम से बंगला, दुकान और महंगी कार खरीदी, जबकि बैंक की एक महिला कर्मचारी को भी करीब 28 लाख दिए गए।

पुलिस के अनुसार आरोपी बैंक ऑफ बड़ौदा की उस शाखा में जॉइंट कस्टोडियन के पद पर कार्यरत था, जहां RBI का करेंसी चेस्ट संचालित होता है। आरोपी पर आरोप है कि उसने अपनी जिम्मेदारी और सिस्टम की खामियों का

फायदा उठाकर धीरे-धीरे करोड़ों रुपये गायब किए। मामले का खुलासा बैंक के आंतरिक ऑडिट के दौरान हुआ, जब नकदी के रिकॉर्ड और वास्तविक रकम में भारी अंतर पाया गया।

जांच एजेंसियों के मुताबिक आरोपी ने चोरी की रकम को अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल किया। उसने अहमदाबाद और आसपास के क्षेत्रों में संपत्तियां खरीदीं, जिनमें एक आलीशान बंगला, दुकान और लग्जरी वाहन शामिल हैं। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि आरोपी ने बैंक की एक महिला स्टाफ सदस्य को लगभग 28 लाख ट्रांसफर किए थे। अब जांच इस बात पर भी केंद्रित है कि महिला कर्मचारी की भूमिका क्या थी और क्या इस पूरे मामले में अन्य लोग भी शामिल थे।

क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचनाओं के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से बड़ी मात्रा में नकदी और संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार करीब 2 करोड़ से अधिक की संपत्ति और नकदी का पता लगाया गया है।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि आर्थिक लालच और जल्दी अमीर बनने की चाह में उसने इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि चोरी की पूरी रकम कहां-कहां निवेश की गई और क्या बैंक के अन्य कर्मचारियों की मिलीभगत भी इसमें शामिल थी।

इस घटना ने बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था और करेंसी चेस्ट की निगरानी प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वित्तीय संस्थानों में आंतरिक सुरक्षा और ऑडिट सिस्टम को लेकर भी बहस तेज हो गई है। पुलिस और बैंक प्रबंधन मामले की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल बोले — भीलवाड़ा को मिलेगी मजबूत एयर-रेल कनेक्टिविटी

हमीरगढ़ हवाई पट्टी का किया निरीक्षण, मेगा टेक्सटाइल पार्क के लिए भीलवाड़ा को बताया सबसे उपयुक्त

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा - भारत सरकार के केंद्रीय कानून एवं न्याय तथा संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने भीलवाड़ा दौरे के दौरान टेक्सटाइल उद्योग और आधारभूत सुविधाओं को लेकर बड़ा भरोसा दिलाया। रिको ग्रोथ सेंटर स्थित भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन के अभिनंदन समारोह में उन्होंने कहा कि देश की प्रमुख वस्त्र नगरी भीलवाड़ा को एयर और रेल कनेक्टिविटी से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार स्तर पर हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

मेघवाल ने कहा कि भीलवाड़ा के उद्योगपतियों की मेहनत और दूरदर्शिता ने शहर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। उन्होंने मेगा टेक्सटाइल पार्क के लिए भीलवाड़ा को सबसे उपयुक्त बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार इस दिशा में सकारात्मक पहल करेगी। इससे पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सांसद दामोदर अग्रवाल के साथ हमीरगढ़ हवाई पट्टी का निरीक्षण कर एयर कनेक्टिविटी की संभावनाओं का जायजा लिया।

सांसद अग्रवाल ने कहा कि बेहतर हवाई और रेल संपर्क से जिले के उद्योग, व्यापार और निर्यात क्षेत्र को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में विधायक अशोक कोठारी, टेक्सटाइल फेडरेशन के पदाधिकारी, उद्योगपति और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने हवाई पट्टी के संभावित विकास कार्यों की जानकारी दी।

बूथ ही भाजपा की असली ताकत, कार्यकर्ता ही संगठन की पहचान-भदेल

▪ स्मार्ट हलचल

जहाजपुर / अनीता भदेल ने जहाजपुर में आयोजित भाजपा जिला प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन कार्यकर्ताओं को बूथ प्रबंधन का मंत्र देते हुए कहा कि"बूथ जीता तो चुनाव जीता"केवल नारा नहीं, बल्कि संगठन की सफलता का मूल आधार है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से "मेरा बूथ–सबसे मजबूत" के संकल्प को जमीन पर उतारने का आह्वान किया।

जहाजपुर में आयोजित सातवें सत्र को संबोधित करते हुए पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री भदेल ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ स्तर तक फैला संगठन और समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने बूथ समितियों के गठन, मतदाता सूची के पुनरीक्षण और घर-घर संपर्क अभियान को चुनावी सफलता की कुंजी बताया।

उन्होंने कहा कि पार्टी में बूथ अध्यक्ष का महत्व किसी भी बड़े पद से कम नहीं है। पदाधिकारियों और बूथ अध्यक्षों के बीच निरंतर संवाद तथा बूथ अध्यक्षों का आमजन से आत्मीय जुड़ाव संगठन को मजबूत बनाता है।

भदेल ने प्रधानमंत्री के "मन की बात" कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर सामूहिक रूप से सुनने की अपील करते हुए कहा कि इसके माध्यम से सामाजिक सरोकारों और राष्ट्रहित के विषयों पर चर्चा का वातावरण तैयार होता है। उन्होंने बूथ स्तर पर स्थानीय उत्सवों, सामाजिक आयोजनों और जनहित गतिविधियों में भाजपा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि चुनाव केवल प्रचार से नहीं, बल्कि मतदाता के साथ जीवंत संबंध और निरंतर संपर्क से जीते जाते हैं। बूथ स्तर पर मजबूत संवाद और विश्वास ही भाजपा की विजय का आधार बनेगा।

महर्षि गौतम धर्मशाला की आमसभा में महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित, चुनाव प्रक्रिया और मतदान नियम तय

▪ स्मार्ट हलचल

फूलियाकलां । महर्षि गौतम धर्मशाला धनोप माताजी के अध्यक्ष भगवती लाल शर्मा की अध्यक्षता में कार्यकारिणी बैठक आयोजित हुई। बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों एवं समाज बंधुओं की उपस्थिति में धर्मशाला के संचालन, वित्तीय स्थिति एवं आगामी चुनाव प्रक्रिया को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। बैठक में 15 मई 2026 तक का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया। जानकारी के अनुसार 10 दिसंबर 2023 से 15 मई 2026 तक धर्मशाला की कुल आय 3 लाख 66 हजार 244 रुपये रही, जबकि 1 लाख 49 हजार 100 रुपये की रसीद राशि बकाया बताई गई। इसी अवधि में कुल 39 लाख 47 हजार 806 रुपये का व्यय दर्ज किया गया। साथ ही बकाया राशि के संग्रहण की जिम्मेदारी भी तय की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि धर्मशाला बुक कराने वाले सदस्य को कार्यक्रम

समाप्ति के 24 घंटे के भीतर परिसर को यथास्थिति में सौंपना होगा। धर्मशाला के बर्तन एवं अन्य सामग्री को परिसर से बाहर ले जाने पर भी रोक लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके अतिरिक्त थ्री-फेज विद्युत कनेक्शन के लिए धनोप माता ट्रस्ट को 25 हजार रुपये सहयोग राशि देने का निर्णय लिया गया। चुनाव प्रक्रिया को लेकर बने नए नियम कार्यकारिणी के आगामी चुनावों के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान स्वीकृत किए गए। अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए 51 हजार रुपये तथा मतदान करने के लिए 11 हजार रुपये की भामाशाह रसीद अनिवार्य होगी। पात्रता के लिए पूर्व एवं वर्तमान दोनों रसीदों का योग मान्य रहेगा तथा 31 अगस्त 2026 तक रसीद कटवाना आवश्यक होगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि चुनाव के बाद निर्वाचित अध्यक्ष को अपनी कार्यकारिणी मनोनीत करने का अधिकार रहेगा। यदि अध्यक्ष लगातार चार नियमित बैठकों में अनुपस्थित रहता है तो उसे स्वतः पदमुक्त माना जाएगा। विवाह एवं मौसर के अवसर पर प्राप्त सहयोग राशि को चुनावी पात्रता में शामिल नहीं किया जाएगा। एक रसीद में एक से अधिक नाम होने की स्थिति में केवल एक सदस्य को मतदान का अधिकार मिलेगा। मतदाता सूची तैयार कर 31 दिसंबर 2026 से पूर्व चुनाव संपन्न कराने का भी प्रस्ताव पारित किया गया। कोषाध्यक्ष पद पर नई नियुक्तियां बैठक में वर्तमान कोषाध्यक्ष अभिषेक व्यास राज्यास द्वारा पारिवारिक एवं राजकीय कार्यों की व्यस्तता के चलते पद पर कार्य करने में असमर्थता जताते हुए प्रस्तुत त्यागपत्र को अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी ने स्वीकार कर लिया।

इसके बाद आगामी चुनाव तक शिवचरण तिवाड़ी को कोषाध्यक्ष तथा सुनील जोशी को सह-कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक के अंत में समाज हित एवं धर्मशाला के सुचारू संचालन के लिए सभी सदस्यों ने सामूहिक सहयोग का संकल्प लिया।

ट्रैक्टर और दुपहिया वाहन की जोरदार भिड़ंत से दुपहिया चालक एवं सवार साथी की हुई मौत

▪ स्मार्ट हलचल

टक्कर के बाद सेंड स्टोन की फर्शी से भरा ट्रैक्टर भी पलटा

बिजोलिया / कस्बे के समीप मोक्षधाम तिराहे के नजदीक रविवार को ट्रेक्टर की टक्कर से दुपहिया सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क पर लहूलुहान हुए घायलों को हॉस्पिटल ले जाया गया। चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर अंसार खान ने दोनों युवकों को मृत घोषित किया। हेड कांस्टेबल राजू सिंह ने बताया कि मोपेड पर सवार दो युवक शक्करगढ़ चौराहा की तरफ से आ रहे थे। इसी दौरान मोक्षधाम के निकट सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए और अचेत हो गए। दोनों युवक गोविंदपुरा गांव के भील परिवार के बताए जा रहे हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रैक्टर ट्रॉली सड़क के एक और पलट गई। ट्रैक्टर में सेंड स्टोन की फर्शी भरी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के चलते कुछ देर के लिए सर्विस लेन तिराहे पर यातायात प्रभावित रहा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच करते हुए हादसे के कारणों का पता लग रही है|

न्यायालय परिसर स्थानांतरण का विरोध तेज, अधिवक्ताओं ने केंद्रीय मंत्री मेघवाल को सौंपा ज्ञापन

संघर्ष समिति बोली— शहर से दूर प्रस्तावित भूमि आमजन और वकीलों के लिए बनेगी परेशानी

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा - जिला न्यायालय परिसर बचाओ संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया के को-चेयरमैन सुरेश चंद्र श्रीमाली के नेतृत्व में केंद्रीय कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से मुलाकात कर नवीन न्यायालय परिसर के लिए आवंटित भूमि को निरस्त करने की मांग उठाई। सांसद दामोदर अग्रवाल के निवास पर हुए इस संवाद में अधिवक्ताओं ने मंत्री को बताया कि प्रस्तावित 62 बीघा भूमि शहर से दूर, दुर्गम और निर्जन क्षेत्र में

स्थित है, जिससे भविष्य में वकीलों, वादकारियों और आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

समिति ने आरोप लगाया कि भूमि आवंटन प्रक्रिया अधिवक्ताओं को विश्वास में लिए बिना पूरी की गई, जिससे वकील समाज में भारी रोष है। संघर्ष समिति ने मांग की कि वर्तमान न्यायालय परिसर को शहर में ही मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के रूप में विस्तारित किया जाए।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि अधिवक्ताओं और आमजन के हितों के खिलाफ कोई निर्णय नहीं होने दिया जाएगा तथा व्यवहारिक समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

अवैध जल कनेक्शनों पर जलदाय विभाग की कार्रवाई, 17 कनेक्शन काटे

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा-जलदाय विभाग शाहपुरा द्वारा शहर में अवैध जल कनेक्शनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 17 अवैध कनेक्शन काटे गए। विभाग को लगातार मिल रही पानी की शिकायतों के आधार पर रामपुरा बस्ती, ज्योति नगर एवं भीलवाड़ा रोड क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान सहायक अभियंता शिवराज भील, कनिष्ठ अभियंता गौरव शर्मा सहित विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे। विभाग ने बताया कि अवैध कनेक्शनों एवं पानी की बर्बादी रोकने के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। विभाग द्वारा बकाया जल बिल वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन भी काटे जा रहे हैं। साथ ही पानी की अनावश्यक बर्बादी करने वालों से जुर्माना वसूला जा रहा है। सुबह जल आपूर्ति की नियमित जांच की जा रही है और जिन घरों के नलों में टोंटी नहीं लगी पाई जा रही, उन पर भी कार्रवाई की जा रही है। गर्मी के मौसम को देखते हुए विभाग ने आमजन से पानी बचाने और जिम्मेदारी से उपयोग करने की अपील की है।

शाहपुरा का आईना-प्रतापसिंह बारहठ की जयंती- "क्या हम अपने शहीदों के सचमुच वारिस हैं ?"

त्रिमूर्ति स्मारक पर सन्नाटा और दिलों में उदासीनता, क्या यही है शहीदों के प्रति हमारा सम्मान ?

▪ स्मार्ट हलचल

शाहपुरा-शाहपुरा की मिट्टी में इतिहास सिर्फ किताबों में नहीं, सांसों में बसता है। यहां की हवाओं में बलिदान की गूंज है, यहां की गलियों में क्रांति की खुशबू है। इसी धरती ने एक ऐसा लाल जन्मा था, जिसने अपनी जवानी मातृभूमि के चरणों में अर्पित कर दी। नाम था कुंवर प्रताप सिंह बारहठ। रविवार को शाहपुरा में उनकी 133वीं जयंती मनीयी। पूरे देश ने उनके त्याग, साहस और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। गुजरात के द्वारका जिले के खंभालिया में राष्ट्रीय स्तर पर "अमर शहीद कुंवर प्रताप सिंह बारहठ वंदना कार्यक्रम" आयोजित हुआ। जयपुर, कैकड़ी में व्यापक स्तर पर समारोह हुए। देश के कोने-कोने में उन्हें याद कर किया। लेकिन सवाल यह है कि जिस शाहपुरा ने उन्हें जन्म दिया, क्या वह अपने इस सपूत के प्रति अपना कर्तव्य निभा पा रहा है? यह प्रश्न इसलिए भी जरूरी है क्योंकि शाहपुरा में प्रताप सिंह बारहठ की स्मृतियों की कोई कमी नहीं है। यहां त्रिमूर्ति स्मारक है, राष्ट्रीय बारहठ संग्रहालय है, उनकी माताजी के नाम पर बालिका विद्यालय है, उनके नाम पर राजकीय पीजी कॉलेज है। हर पत्थर, हर दीवार, हर स्मारक यह बताता है कि यह शहर किसी साधारण व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक अमर क्रांतिकारी का जन्मस्थान है। लेकिन विडंबना देखिए, जयंती के अवसर पर त्रिमूर्ति स्मारक पर कार्यक्रम हुआ, श्रद्धांजलि भी दी गई, माल्यार्पण भी हुआ, भाषण भी हुए। मगर वहां मौजूद लोगों की संख्या क्या थी? मात्र 18। जी हां, लगभग 30 हजार की आबादी वाले शाहपुरा में केवल 18 लोग अपने शहीद को याद करने पहुंचे। यह आंकड़ा सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि हमारी संवेदनहीनता का आईना है। यह बताता है कि हम धीरे-धीरे अपने इतिहास से कटते जा रहे हैं। सोचिए, अगर इसी स्थान पर कोई भजन संध्या होती, कोई डीजे नाइट होती, कोई राजनीतिक सभा होती या कोई मनोरंजन कार्यक्रम होता, तो क्या वहां सिर्फ 18 लोग होते? शायद नहीं। वहां भीड़ उमड़ पड़ती, कुर्सियां कम पड़ जातीं, सोशल मीडिया पर फोटो और वीडियो की भरमार हो जाती। लेकिन जब बात एक ऐसे क्रांतिकारी की आती है जिसने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, तब हम चुप क्यों हो जाते हैं? क्या राष्ट्रभक्ति अब सिर्फ सोशल मीडिया स्टेटस तक सीमित रह गई है? क्या शहीदों को याद करना अब केवल सरकारी औपचारिकता बनकर रह गया है? सबसे पीड़ादायक बात तो यह रही कि बारहठ परिवार के नाम पर चल रही संस्थाओं के कई पदाधिकारी भी कार्यक्रम में नजर नहीं आए। यह अनुपस्थिति केवल व्यक्तियों की अनुपस्थिति नहीं थी, बल्कि उस भाव की अनुपस्थिति थी जो किसी समाज को अपने इतिहास से जोड़कर रखती है। अपने जीवन में क्रांतिकारी कुंवर प्रताप सिंह बारहठ ने कहा था "मैं अपनी एक मां को हंसाने के लिए देश की हजारों माताओं को नहीं रुला सकता।" यह कोई सामान्य वाक्य नहीं, बल्कि राष्ट्रधर्म का सर्वोच्च संदेश था।

एक बेटा अपनी मां के आंसुओं से ऊपर देश की माताओं के दर्द को रखता है, तब जाकर इतिहास उसे अमर बनाता है। लेकिन अफसोस कि उसी शहीद की जयंती पर शाहपुरा की चुप्पी कई सवाल छोड़ गई। क्या हमारे बच्चों को पता है कि प्रताप सिंह बारहठ कौन थे? क्या स्कूलों में उनके विचारों पर चर्चा होती है? क्या युवा पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा ले रही है? अगर नहीं, तो यह चिंता सिर्फ एक कार्यक्रम की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की है। आज जरूरत केवल माल्यार्पण की नहीं है। जरूरत है कि प्रताप सिंह बारहठ को घर-घर तक पहुंचाया जाए। स्कूलों में उनके जीवन पर प्रतियोगिताएं हों, युवाओं के बीच व्याख्यान हों, शहर में विशाल स्तर पर जयंती मनाई जाए। जिस तरह अन्य शहर अपने महापुरुषों पर गर्व करते हैं, उसी तरह शाहपुरा को भी अपने इस अमर सपूत पर गर्व दिखाना होगा। क्योंकि इतिहास केवल स्मारकों से जीवित नहीं रहता, इतिहास लोगों की स्मृतियों और सम्मान से जीवित रहता है। अगर शाहपुरा अपने शहीदों को भूल गया, तो आने वाली पीढ़ियां शाहपुरा को भूल जाएंगी।

जिस शहर ने देश को प्रताप सिंह बारहठ जैसा क्रांतिकारी दिया, उस शहर की पहचान केवल बाजारों और राजनीति से नहीं, बल्कि अपने बलिदानियों के सम्मान से होनी चाहिए। बड़ा सवाल यही है कि इस जयंती पर 18 लोग नहीं, पूरा शाहपुरा होना चाहिए था। हर घर में दीप जलना चाहिए था। हर बच्चे की जुबान पर प्रताप सिंह बारहठ का नाम होना चाहिए था। क्योंकि शहीद केवल इतिहास के पन्ने नहीं होते, वे किसी शहर की आत्मा होते हैं। और आत्मा की उपेक्षा कभी शुभ संकेत नहीं होती।

माहेश्वरी समाज ने दिया एकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेशः सोमानी निर्विरोध तहसील अध्यक्ष निर्वाचित

▪ स्मार्ट हलचल

मंगरोप । स्थित माहेश्वरी भवन में रविवार को अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के अंतर्गत तहसील महासभा भीलवाड़ा ग्रामीण के 9वें तहसील अध्यक्ष पद के चुनाव सामाजिक सौहार्द और उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुए।समाज के प्रबुद्धजनों, विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में समाजबंधुओं की मौजूदगी में राघवेन्द्र सोमानी को सर्वसम्मति से निर्विरोध तहसील अध्यक्ष घोषित किया गया।चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारी राजेंद्र पोरवाल की देखरेख में सम्पन्न हुई।भीलवाड़ा ग्रामीण क्षेत्र की 19 पंचायतों के मतदाताओं ने इसमें भाग लिया और सभी ने एकमत होकर राघवेन्द्र सोमानी के नाम पर समर्थन जताया।राघवेन्द्र सोमानी इससे पूर्व तहसील सभा में मंत्री पद पर रहते हुए तीन वर्ष तक सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं।संगठनात्मक अनुभव,समाज सेवा और समाजजनों के बीच मजबूत पकड़ को देखते हुए समाज ने उन पर दोबारा भरोसा जताया।अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद उन्होंने समाज को संगठित रखते हुए शिक्षा,सामाजिक एकता और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।कार्यक्रम के दौरान पूर्व अध्यक्ष देवीलाल मुंदड़ा, रामप्रसाद लढ़ा,जगदीश काबरा सहित भीलवाड़ा ग्रामीण क्षेत्र के अनेक वरिष्ठ एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।समाजजनों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं।चुनाव के साथ ही 21 सदस्यीय नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की गई।इसमें हमीरगढ़ निवासी बाबूलाल मंडोवरा को मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।नई कार्यकारिणी में विभिन्न क्षेत्रों और पंचायतों से प्रतिनिधित्व देकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया गया।कार्यक्रम में वरिष्ठजनों के साथ युवाओं और महिला प्रतिनिधियों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही।पूरे आयोजन में सामाजिक एकता,संगठनात्मक मजबूती और आपसी भाईचारे का उत्साह साफ दिखाई दिया।इस अवसर पर माहेश्वरी समाज ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सराहनीय पहल की।समाज की ओर से प्लास्टिक मुक्त सामाजिक भोज के उद्देश्य से स्टील की थाली,कटोरी और गिलास के 400 सेट मंगवाए गए,जिनका उपयोग रविवार को आयोजित सामूहिक भोज में पहली बार किया गया।समाजजनों ने इस पहल के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त भोजन अपनाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।मंगरोप में सम्पन्न यह आयोजन सामाजिक समरसता, संगठनात्मक मजबूती और पर्यावरण जागरूकता का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरा।

DST और सदर थाना पुलिस ने महिला स्मैक तस्कर को दबोचा, 41 पुड़िया स्मैक व नगदी बरामद

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के कड़े रुख के बाद ब्यावर जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ पुलिस का अभियान तेज हो गया है। इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उजैनिया एवं वृताधिकारी (CO) राजेश कसाना के निकट सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम (DST) और ब्यावर सदर थाना पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक महिला तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से 2.68 ग्राम स्मैक और बिक्री की नगदी जब्त की है।

पुलिस को देखकर छिपने लगी थी महिला

सदर थाना पुलिस के अनुसार, 23 मई 2026 को जिला स्पेशल टीम (DST) को पुख्ता मुखबिर से सूचना मिली थी कि लोहार कॉलोनी, रामनगर मेंडिया की सांसी बस्ती में एक महिला अवैध रूप से स्मैक बेच रही है। सूचना पर DST प्रभारी विजय सिंह और सदर थाने के उप निरीक्षक अरविंद मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम को अचानक सामने देखकर एक महिला सकपका गई और छिपने का प्रयास करने लगी। तत्परता दिखाते हुए महिला कांस्टेबल अनीता की मदद से उसे घेराबंदी कर डिटेन किया गया।

प्लास्टिक की थैली से खुली पोल, 41 पुड़िया जब्त

महिला की नियमानुसार तलाशी लेने पर उसके पास से एक सफेद पारदर्शी प्लास्टिक की थैली मिली। पुलिस ने जब थैली को खोला तो उसमें कागज की कुल 41 पुड़िया बनी हुई थीं। कड़ाई से पूछताछ करने पर महिला ने उसमें अवैध मादक पदार्थ स्मैक होना स्वीकार किया। तोल करने पर स्मैक का कुल वजन 2.68 ग्राम पाया गया। इसके अलावा महिला के पास से स्मैक बेचकर कमाई गई 4,500 रुपये की नगद राशि भी बरामद की गई। पुलिस ने सामग्री व नगदी को जब्त कर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया।

यह है गिरफ्तार आरोपी

नामः लक्ष्मी (उम्र 35 साल)
पति का नामः दौलत उर्फ विजय
सांसी पताः सांसी बस्ती ब्यावर (हाल निवासीः लोहार कॉलोनी, रामनगर मेंडिया, ब्यावर सदर)

दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय आयुर्वेद चिकित्सा शिविर सम्पन्न

▪ स्मार्ट हलचल

गंगापुर - आयुर्वेद विभाग एवं खजूरिया श्याम भेरुनाथ ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय आयुर्वेद परामर्श एवं चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर में आमजन को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं निशुल्क उपलब्ध कराई गईं। शिविर के दौरान बीपी, शुगर, मलेरिया, टाइफाइड, HIV एवं प्रेगनेंसी टेस्ट जैसी जांच सुविधाएं प्रदान की गईं। साथ ही मरीजों को आयुर्वेदिक औषधियां भी निशुल्क वितरित की गईं। शिविर प्रभारी डॉ. सतीश चंद शर्मा ने बताया कि दो दिनों में कुल 255 जांचें की गईं तथा 377 लोगों को निशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में चिकित्सक डॉ. ओम प्रकाश बोहरा, डॉ. हरीश कुमार केडिया, वरिष्ठ कंपाउंडर कैलाश चंद सुथार, प्यार चंद खटिक, अनिल लड्ढा, रतनलाल पूर्बिया, नर्स ललिता कुमावत, भारती पांचाल एवं योग प्रशिक्षक जितेंद्र कुमार टेलर का विशेष सहयोग रहा। आयोजकों ने बताया कि ऐसे शिविरों के माध्यम से आमजन को आयुर्वेद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है।

थाना अधिकारी स्वागत पांडे के नेतृत्व में निकाली साइकिल रैली, साइकिलिंग से फिट रहने और ईंधन बचत की कहीं बात

▪ स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ | फिट इंडिया अभियान और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को बिजौलिया पुलिस द्वारा साइकिल रैली का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी स्वागत पांड्या के नेतृत्व में निकाली गई इस रैली में एएसआई सुनील बेनीवाल और पुलिस जवानों के साथ महिला पुलिसकर्मियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रैली की शुरुआत पुलिस थाना बिजौलिया से हुई, जो बस स्टैंड, बालाजी चौराहा और शक्करगढ़ चौराहा सहित मुख्य मार्गों से होकर पुनः थाने पहुंची। रैली के दौरान पुलिसकर्मियों ने आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और नियमित व्यायाम करने का संदेश दिया।

एसएचओ स्वागत पांड्या ने बताया कि साइक्लिंग करने से शरीर स्वस्थ रहता है, मानसिक तनाव कम होता है और पर्यावरण संरक्षण में भी सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि साइकिल के उपयोग से ईंधन की बचत होती है तथा व्यक्ति शारीरिक रूप से फिट रहता है। रैली के दौरान पुलिसकर्मियों ने लोगों को नियमित रूप से साइकिल चलाने, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

रायपुर के युवाओ ने जीता मेडल

▪ स्मार्ट हलचल

रायपुर /कस्बे की एक मात्र जिम लाइफस्टाइल हेल्थ क्लब के संचालक पवन सेन ने बताया कि 24 मई को भीलवाड़ा की डि-2 फिटनेस द्वारा ओपन डेडलिफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसके लिए रायपुर के युवाओं को जिम में तैयारी करवाई गई I रायपुर से गोविन्द सोनी,गौरव टेलर,किशन बैरवा ने अलग अलग केटेगरी में भाग लिया I गौरव टेलर ने 53 _59 किलोग्राम केटेगरी में 140 किलोग्राम उठा कर गोल्ड मेडल जीता I किशन बैरवा ने 67-74 किलोग्राम केटेगरी में 145 किलोग्राम उठा कर सिल्वर मेडल और गोविन्द सोनी ने 55-66 किलोग्राम केटेगरी में 160 किलोग्राम वजन उठा कर ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया I

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के दूसरे दिन योग, प्राणायाम एवं शाखा के साथ हुई शुरुआत

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के दूसरे दिन की शुरुआत प्रातःकालीन योग, प्राणायाम एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा के साथ हुई। प्रशिक्षण शिविर में अनुशासन, संगठन और राष्ट्रभावना का विशेष वातावरण देखने को मिला। जिला मीडिया सहसंयोजक मोनू सुरेश छीपा ने बताया की

योग प्रशिक्षक अभिसूत्रा सोलंकी ने कार्यकर्ताओं को योग एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया। वहीं शाखा शिक्षक राजकुमार आंचलिया , वेद प्रकाश खटीक एवं विशाल गुरुजी ने शाखा गतिविधियों का संचालन करते हुए संघ प्रार्थना करवाई।

जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के

कुशल नेतृत्व में आयोजित इस प्रशिक्षण महाभियान के प्रथम दिन छह विभिन्न सत्र आयोजित किए गए थे। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य, विधायकगण एवं सांसदों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सांसद दामोदर अग्रवाल एवं पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया की विशेष उपस्थिति रही।

दूसरे दिन प्राणायाम सत्र के पश्चात सभी पदाधिकारी जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अगुवाई में स्वस्ति धाम पहुंचे, जहां संतजनों का आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

शास्त्री नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के चुनाव निर्विरोध संपन्न

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ाः- शास्त्री नगर क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा के चुनाव रविवार को रामेश्वरम में संपन्न हुए, आयोजित चुनाव में सर्व सहमति से अध्यक्ष पद पर भेरूलाल सोमानी व मंत्री पद पर मुकेश जागेटिया को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया, प्रचार प्रसार मंत्री डॉ भाग चन्द सोमानी ने बताया कि अध्यक्ष व मंत्री के निर्देशन में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें कोषाध्यक्ष अनिल कुमार पोरवाल ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष विष्णु कास्ट,संगठन मंत्री ओमप्रकाश बियानी,सह मंत्री ओमप्रकाश कास्ट,रामस्वरूप राठी,उपाध्यक्ष अनिल कुमार बंग,शीतल सोडाणी,अनिल सोमानी,सुनील सोमानी व प्रचार प्रसार मंत्री डॉ भाग चन्द सोमानी को नियुक्त किया गया।

अध्यक्ष भैरूलाल सोमानी ने शास्त्री नगर के सभी माहेश्वरी बन्धुओं को सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया व सभी को साथ लेकर समाज में रचनात्मक कार्य करने की शपथ ली।

मंत्री मुकेश जागेटिया ने भीलवाड़ा में क्षेत्रीय सभा को उत्तरोत्तर प्रगति करने हेतु अपना सर्वोच्च देने की घोषणा की।। इसी के साथ ही नगर माहेश्वरी सभा व जिला प्रतिनिधियों का निर्वाचन भी निर्विरोध किया गया ।इस दौरान सुनील बियानी कंवर लाल पोरवाल, राधेश्याम गग्गड, राधेश्याम सोमानी, राजेंद्र समदानी, अनिल राठी , कैलाश सोमानी, सत्यनारायण मुन्दड़ा, फतेह लाल जैथलिया, दिनेश सोमानी, बाल किशन सोमानी आदि उपस्थित थे।।

आरएसएस कार्यकर्ता द्वारा सार्वजनिक शौचालय को तोड़कर किया जा रहा अवैध अतिक्रमण 10 दिन पूर्व भी नगर पालिका को दिया था ज्ञापन

▪ स्मार्ट हलचल

गंगापुर। नगर पालिका गंगापुर के वार्ड नंबर 03 के ग्रामवासियों ने अधिशासी अधिकारी के नाम पालिका के अतिक्रमण प्रभारी अर्जुन सिंह को ज्ञापन सौंपकर मुरली डांगी द्वारा किए जा रहे अवैध निर्माण एवं सार्वजनिक शौचालय पर किए जा रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम मलेनी स्थित नगर पालिका की आवासीय भूमि पर पहले सार्वजनिक शौचालय बना हुआ था, जिसका उपयोग आसपास के ग्रामीण एवं विशेष रूप से महिलाओं द्वारा किया जाता था। आरोप है कि अब उसी स्थान पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शाखा गंगापुर के कार्यकर्ता मुरली डांगी

द्वारा अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य किया जा रहा है तथा अवैध आती कमी डांगी ने सार्वजनिक शौचालय को भी अवैध तरीके से तोड़ दिया है । इस मामले को लेकर 10 दिन पूर्व भी मुकेश माली द्वारा नगर पालिका में ज्ञापन दिया गया था परंतु राजनीतिक प्रभाव को देखते हुए प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई जिससे नाराज होकर स्थानीय निवासियों ने रविवार को नगर पालिका के अतिक्रमण प्रभारी अर्जुन सिंह को मौके पर बुलाकर पूरा मामला समझाया और सार्वजनिक शौचालय को तोड़ने एवं अवैध अतिक्रमन करने के मामले में अति शीघ्र कार्वाई करने के लिए कहा गया ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर निर्माण किया जा रहा है, उसकी नगर पालिका प्रशासन द्वारा किसी प्रकार की स्वीकृति भी नहीं दी गई है। इससे क्षेत्रवासियों में भारी रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मौके पर चल रहे अवैध निर्माण व कब्जे को तत्काल रुकवाया जाए तथा सार्वजनिक शौचालय को पुनः यथावत रखा जाए, ताकि आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। इस दौरान नारायण लाल गुर्जर बालू राम सेन चुन्नीलाल सुथार गजेंद्र गहलोत बालूराम खारोल मनरूप गुर्जर मोतीलाल गहलोत सांवरलाल वैष्णव मुकेश माली शंकर गुर्जर सुरेश वैष्णव खूबी लाल सुथार नंदू देवी गुर्जर रुक्मिणी देवी सुथार जमुना देवी सुथार सहित कई महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे।

हनुमान मंदिर के बाहर बकरे के अवशेष मिलने से मचा बवाल, विहिप-बजरंग दल धरने पर बैठे,रोड किया जाम

▪ स्मार्ट हलचल

कोटड़ी। मुख्यालय स्थित श्री भीलवाड़ा // शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित हनुमान मंदिर के बाहर उस समय माहौल गर्मा गया जब मंदिर के बाहर बकरे के अवशेष मिले। देखते ही देखते विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित विभिन्न हिंदू संगठनों के

पदाधिकारी और लोग मौके पर जमा हो गए। और उन्होंने प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। वहीं इस दौरान आक्रोशित लोगों ने सोलंकी टॉकीज मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और घटना स्थल पर धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने के बाद सीओ सिटी सज्जन सिंह और कोतवाली थाना प्रभारी हनुमान चौधरी सहित पुलिस का जाता मौके पर पहुंचे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कंट्रोल रूम अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है हिंदू संगठनों ने चेतावनी दी कि जब तक मामले का खुलासा कर असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही नहीं होती है तब तक यह प्रदर्शन जारी रहेगा।

बजरंग दल महानगर संयोजक मुकेश प्रजापत ने बताया कि भीलवाड़ा शहर में आए दिन माहौल खराब करने की नीयत से विधर्मियों द्वारा कुछ ना कुछ कांड किया जाता है,आज के दो साल पहले भी गाय की पूछ काट कर बालाजी मंदिर के वहां फेंक दी गई, अभी कुछ समय पहले गायों के साथ कुकर्म जैसी घटनाएं हुई, आज से 5 दिन पहले भी एक देवस्थान की प्रतिमाएं तोड़ दी गई,आज फिर वही घटना दोहराते हुए शास्त्री नगर में नीलकंठ महादेव मंदिर के आगे हनुमान मंदिर के बाहर गाड़ी रोककर बकरे की खाले फेंक दी गई। आए दिन समाज कंटकों द्वारा हिंदू त्योहार या मुस्लिम त्योहार हो इस पर माहोल खराब करने की घटनाएं आए दिन दोहराई जाती है।अगर इस तरह की घटनाएं इसी तरह चलती रही तो विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल व सर्व हिंदू समाज कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। हम प्रशासन से यही मांग करते हैं कि इसका खुलासा जल्द से जल्द करें। अन्यथा आने वाले समय में कुछ भी होता है तो उसका जिम्मेदार प्रशासन होगा।

पुलिस अधिकारियों ने गंगापुर में निकाली संडे ऑन साइकिल रैली

▪ स्मार्ट हलचल

पुलिस अधिकारियों ने दिया फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गंगापुर :- पुलिस ने फिट इंडिया अभियान के तहत रविवार सुबह 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया। यह रैली पुलिस थाना गंगापुर से सुबह साढ़े 6 बजे शुरू हुई, जिसमें पुलिस अधिकारियों, जवानों, युवाओं,विद्यार्थियों और शहरवासियों ने भाग लिया।

साइकिल रैली शहर के विभिन्न मार्गों से निकली, जहां प्रतिभागियों ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, फिट रहने

और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बुधराज खटीक और थाना प्रभारी लीलाधर मालवीय सहित पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बुधराज खटीक ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य समाज के हर वर्ग को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कर उन्हें फिट रखना है। उन्होंने प्रशासन और जनता के संयुक्त प्रयासों से सामाजिक लक्ष्यों की प्राप्ति की बात कही।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित किया गया। इस आयोजन को लेकर युवाओं और आमजन में उत्साह देखा गया। गंगापुर पुलिस ने नागरिकों से नियमित साइकिलिंग को अपनी दिनचर्या में शामिल कर स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की अपील की।

प्लॉट पर अवैध कब्जा कर 10 लाख की रंगदारी मांगने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

भवानी मंडी. सुनेल थाना पुलिस ने प्लॉट पर अवैध कब्जा कर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि थाना सुनेल के प्रकरण संख्या 93/2026 में धारा 308(2) एवं 329(3) बीएनएस के तहत वांछित आरोपी रामलाल उर्फ बल्लू पुत्र रोडूलाल गुर्जर निवासी सलोतिया रोड सुनेल हाल भट्ट साहब की कॉलोनी भवानीमंडी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार 21 मई को

फरियादी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसकी माता के स्वामित्व एवं कब्जे वाला एक प्लॉट सुनेल में स्थित है। आरोपी बल्लू गुर्जर ने उक्त प्लॉट पर जबरन कब्जा करने की नीयत से उसमें पत्थर डलवा दिए तथा उन्हें हटाने की एवज में 10 लाख रुपये की अवैध मांग की। आरोपी द्वारा लगातार धमकियां भी दी जा रही थीं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचन्द मीणा के निर्देशन तथा वृत्ताधिकारी पिडावा पूजा नागर के सुपरविजन में थाना प्रभारी विष्णुसिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर आरोपी रामलाल उर्फ बल्लू को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट, हत्या एवं अन्य गंभीर धाराओं में कई मामले दर्ज हैं, जिनमें प्रकरण न्यायालय में लंबित हैं।

गठित पुलिस टीम

विष्णुसिंह, थानाधिकारी पुलिस थाना सुनेल
सत्यनारायण, सहायक उप निरीक्षक
हनुमान, कांस्टेबल
हरदयाल, कांस्टेबल
राजेश, कांस्टेबल (विशेष भूमिका)
राजबहादुर, कांस्टेबल

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

अंधविश्वास छोड़ें, इलाज अपनाएं: दैवीय प्रकोप नहीं, उपचार योग्य मानसिक बीमारी है 'सिज़ोफ्रेनिया'

विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस पर डॉक्टरों की अपील—'भ्रम और डर से दूरी बनाएं, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें'

▪ स्मार्ट हलचल

करौली । राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला मानसिक स्वास्थ्य इकाई एवं मनोरोग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नवीन चिकित्सालय भवन में विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस का आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की मुख्य थीम 'सिज़ोफ्रेनिया एक सामूहिक जिम्मेदारी, समावेशन आवश्यक' रखी गई। इस अवसर पर मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. प्रेमराज मीना ने बीमारी की गंभीरता पर प्रकाश डालते हुए कहा, 'सिज़ोफ्रेनिया एक जटिल मानसिक विकार है, जो सीधे तौर पर व्यक्ति की सोच, व्यवहार और भावनाओं को प्रभावित करता है। इसमें रोगी को मतिभ्रम (भ्रम होना), अकारण डर लगना, अजीबोगरीब आवाजें सुनाई देना, काल्पनिक आकृतियां दिखाई देना और अत्यधिक शक करने जैसे लक्षण उभरते हैं। इसके चलते मरीज सामाजिक दूरी बना लेता है। यदि किसी व्यक्ति के व्यवहार में लंबे समय तक ऐसा बदलाव, अकेलापन या असामान्य बातें दिखाई दें, तो बिना देर किए मनोचिकित्सक से संपर्क करना चाहिए।' मेडिसिन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रवि कुमार मीना ने सामाजिक भ्रांतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जागरूकता की कमी और अंधविश्वास के कारण अधिकांश मरीज समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाते। उन्होंने आश्वस्त किया कि आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों, नियमित दवाओं और सुदृढ़ पारिवारिक सहयोग से इस बीमारी को पूरी तरह नियंत्रित कर मरीज को सामान्य जीवन की मुख्यधारा में वापस लाया जा सकता है। वरिष्ठ चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य की तुलना शारीरिक स्वास्थ्य से करते हुए कहा कि मानसिक रोग भी अन्य शारीरिक बीमारियों की तरह ही सामान्य हैं। आमजन को बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएं डॉक्टरों से साझा करनी चाहिए। उन्होंने परिजनों से मरीज को सकारात्मक माहौल और सहयोग देने की अपील की। साइकेट्रिक नर्स गौरव गोयल ने समाज में फैली भ्रांतियों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया कि मानसिक रोग कोई दैवीय प्रकोप या ऊपरी साया नहीं है। समय पर लक्षणों की पहचान, उचित काउंसलिंग, टेली-मानस हेल्पलाइन नंबर 14416 पर त्वरित परामर्श और चिकित्सकीय देखरेख से इसका इलाज पूरी तरह संभव है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित जनसमुदाय से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाने का आह्वान किया गया। इस जागरूकता सत्र में दीनदयाल लोधा, मीना कुमारी, देशराज राजपूत सहित अनेक मरीजों, उनके अभिभावकों और प्रबुद्ध नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

स्पा सेंटर पर पुलिस रेड, आरोपियों ने दी धमकी-"कुछ नहीं बिगाड़ पाओगे

▪ स्मार्ट हलचल

जयपुर/राजधानी जयपुर में अजमेर रोड स्थित एक स्पा सेंटर पर पुलिस की कार्रवाई के दौरान हंगामा हो गया। सोडाला थाना पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर आइकोनिक स्पा सेंटर में छापा मारकर दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए पुलिसकर्मियों से अभद्रता की और "ऊपर तक पहुंच" होने की धमकी दी।

स्पा सेंटर में मिलीं छह युवतियां

पुलिस जांच के दौरान स्पा सेंटर में छह युवतियां और दो युवक मौजूद मिले। पुलिस ने युवतियों से पूछताछ की, लेकिन उनकी गरिमा का ध्यान रखते हुए आवश्यक हिदायत देकर उन्हें जाने दिया गया।

पुलिस से भिड़े आरोपी

पुलिस के मुताबिक जब दोनों युवकों से पूछताछ की गई तो वे भड़क गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे। आरोपियों ने कथित तौर पर कहा कि उनकी "ऊपर तक पहुंच" है और पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। इस दौरान उन्होंने पुलिस टीम के साथ अभद्र व्यवहार किया और माहौल तनावपूर्ण हो गया।स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने दोनों को काबू कर हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तम दास निवासी गोपालपुरा और शरीफ मोहम्मद निवासी मुहाना के रूप में हुई है।

स्पा सेंटर की गतिविधियों की जांच जारी

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही स्पा सेंटर में संचालित गतिविधियों की भी विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या अवैध गतिविधियों के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ अलग से कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा: 15 क्षेत्रीय सभाओं के चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न, 11 में निर्विरोध तो 4 में हुआ मतदान

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा – नगर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा की 15 क्षेत्रीय सभाओं के चुनाव रविवार को अत्यंत शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुए। समाज के मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया और क्षेत्रीय नेतृत्व के चयन में अपनी अहम भूमिका निभाई। मुख्य चुनाव अधिकारी रतन लाल मंडोवरा ने बताया कि मतदान प्रक्रिया सुबह निर्धारित समय पर शुरू हुई, जो दिन भर सुचारू रूप से चलती रही। युवा वर्ग से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक में भारी उत्साह देखने को मिला और मतदान केंद्रों पर समाजजनों की अच्छी खासी भीड़ रही। कड़ी निगरानी में हुआ निष्पक्ष मतदान जिलाध्यक्ष अशोक बाहेती व नगर अध्यक्ष केदार गगरानी ने जानकारी दी कि चुनाव समिति द्वारा मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद की गई थीं। चुनाव समिति के सदस्यों एवं क्षेत्रीय सभाओं के प्रभारियों ने लगातार निगरानी रखी, जिससे मतदान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

11 क्षेत्रों में निर्विरोध, 4 में चुनाव से हुआ फैसला

मुख्य चुनाव अधिकारी मंडोवरा ने बताया कि कुल 15 क्षेत्रीय सभाओं में से 11 क्षेत्रों में अध्यक्ष और मंत्री का निर्विरोध निर्वाचन हुआ, जबकि 4 क्षेत्रीय सभाओं में मतदान के जरिए अध्यक्ष व मंत्री का चयन किया गया।

मतदान प्रक्रिया से निर्वाचित कार्यकारिणी (4 क्षेत्रीय सभाएं)

भोपालगंजः अध्यक्ष- मुकेश अजमेरा, मंत्री- रामनिवास लढ़ा

तिलक नगरः अध्यक्ष- अशोक कुमार तुरकिया, मंत्री- सुशील बांगड़

आरकेआरसीः अध्यक्ष- कृष्णगोपाल सोडानी (नेताजी)

बसन्त विहारः अध्यक्ष- परीक्षित नामधर, मंत्री- कुंजबिहारी चाण्डक

70 अधिकारियों की टीम ने संभाला मोर्चा

जिला मंत्री रमेश चन्द्र राठी ने बताया कि इन चुनावों के साथ ही सभी 15 क्षेत्रीय सभाओं के अन्य पदाधिकारियों व जिला/नगर प्रतिनिधियों का भी चयन कर लिया गया है। इस संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया को सफल बनाने में चुनाव अधिकारी लक्ष्मीनारायण सोमानी, तेजकरण बहेड़िया के साथ 70 चुनाव अधिकारियों की टीम ने अपनी अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा समाजजन सुशील मरोटिया, रामकिशन सोनी, राजेन्द्र पोरवाल, कृष्णगोपाल राठी और प्रमोद डाड का विशेष सहयोग रहा।

✓ निर्विरोध निर्वाचित कार्यकारिणी (11 क्षेत्रीय सभाएं)

क्षेत्रीय सभा	नवनिर्वाचित अध्यक्ष	नवनिर्वाचित मंत्री
आजाद नगर	लादुलाल सोमानी	सुरेश समदानी
चन्द्रशेखर आजाद नगर	कमलेश काबरा	अश्विन तोतला
बापूनगर	संजय पेडीवाल	कैलाश लखोटिया
पुर	निर्मल कुमार पलोड़	गोपाल कृष्ण पलोड़
काशीपुरी	ओमप्रकाश जागेटिया	हरगोविन्द सोनी
शास्त्रीनगर	भेरूलाल सोमानी	मुकेश जागेटिया
पुराना शहर	सत्यनारायण तोतला	विनोद राठी
संजय कॉलोनी	श्यामलाल डाड	कैलाश चन्द्र मून्दड़ा
सांगानेर	महेश चन्द्र कोठारी	महावीर प्रसाद आगाल
विजयसिंह पथिक नगर	बनवारी लाल सोमानी	महावीर अजमेरा
सुभाष नगर	लक्ष्मीनारायण मून्दड़ा	प्रमोद मून्दड़ा

तहसील माहेश्वरी सभा कोटड़ी के चुनाव सम्पन्न

महावीर काबरा अध्यक्ष व पुष्पेंद्र काबरा मंत्री निर्वाचित

▪ स्मार्ट हलचल

कोटड़ी / तहसील माहेश्वरी सभा कोटड़ी के चुनाव रविवार को महेश भवन पारोली में सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया जिला पर्यवेक्षक अनिल कुमार जाजू एवं अमित बिरला तथा चुनाव अधिकारी कमल बांगड़ एवं सुरेंद्र मूदंडा के निर्देशन में संपन्न कराई गई। चुनाव में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर महावीर कुमार काबरा तथा मंत्री पद पर पुष्पेंद्र कुमार काबरा का चयन किया गया। इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद पर ओमप्रकाश मूदंडा, कोषाध्यक्ष पद पर इंद्रमल लढा, संयुक्त मंत्री पद पर जमनालाल कास्ट तथा संगठन मंत्री पद पर शिव प्रकाश पोरवाल निर्वाचित हुए। इसके अलावा जिला प्रतिनिधि के लिए गोपाल कृष्ण पोरवाल, घनश्याम राठी, इंद्रमल लढा, शिवनारायण काबरा एवं घीसूलाल सोमानी का चयन किया गया। नव निर्वाचित मंत्री पुष्पेंद्र कुमार काबरा ने कहा कि नवगठित कार्यकारिणी अध्यक्ष के नेतृत्व में समाज की एकता, प्रगति एवं उत्थान के लिए सक्रिय रूप से कार्य करेगी तथा सामाजिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के चयन पर समाजजनों ने शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की।

कांग्रेस ने खेल मैदान के उद्घाटन को बताया चुनावी जुमला

▪ स्मार्ट हलचल

अजमेर/ स्थानीय कांग्रेस युवा नेता एनएसयूआई अध्यक्ष मधुसूदन मैक्स पाराशर ने निकाय चुनाव की घोषणा तिथि आने के बाद पुष्कर खेल मैदान के उद्घाटन को बताया तीर्थ व नगरीय समस्याओं से ध्यान भटकाने व भ्रमित करने वाला चुनावी जुमला है । पाराशर ने बताया कि जो सरकार तीर्थ में आम जनता,यात्रियों,बस्ती मोहल्लों व पशुओ के लिए सार्वजनिक पानी के नल कनेक्शन तक को कटवा कर पानी के लिए तरसने को मजबूर कर दे,उनके द्वारा युवाओ को भावनात्मक रूप से भ्रमित करने वाले चुनावी जुमले से अतिरिक्त कुछ भी नहीं हो सकता है ।

"कुल्हड़, क्विज और कौशल का संगम: भाजपा का प्रशिक्षण शिविर बना प्रदेश में मॉडल"

प्लास्टिक मुक्त व्यवस्था, ऑनलाइन परीक्षा और स्वयं बर्तन धोने जैसे नवाचारों ने खींचा ध्यान

▪ स्मार्ट हलचल

जहाजपुर- भाजपा जिला संगठन द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत स्वस्तिधाम मांगलिक भवन में आयोजित दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण शिविर नवाचारों, अनुशासन और वैचारिक ऊर्जा के साथ ऐतिहासिक रूप से संपन्न हुआ।

शिविर में जहां संगठनात्मक प्रशिक्षण और वैचारिक मंथन हुआ, वहीं प्लास्टिक मुक्त व्यवस्थाओं, ऑनलाइन क्विज, स्वच्छता अभियान और आत्मनिर्भर व्यवस्थाओं ने इसे प्रदेशभर में चर्चा का विषय बना दिया।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर ने कहा कि "देश में घोटाले करके जमानतों पर चल रहे लोगों से भारत राष्ट्र को बचाना है। राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने वालों का शासन रहेगा तो देश मजबूत बनेगा।"

उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता नहीं बल्कि विचारधारा के लिए संघर्ष करती है और कार्यकर्ताओं को लोकतंत्र का योद्धा बनकर काम करना होगा। भीलवाड़ा जिले के इस प्रशिक्षण शिविर में हुए नवाचारों को उन्होंने प्रदेश में अग्रणी बताया।

दसवें सत्र में केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अंत्योदय, एकात्म मानववाद और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को भाजपा की कार्यपद्धति का मूल बताया। उन्होंने कहा कि अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक समान अवसर पहुंचाना ही संगठन का लक्ष्य होना चाहिए।

विधायकों ने दिए प्रबंधन के 'सक्सेस मंत्र'

नौवें सत्र में जिले के भाजपा विधायकों ने संगठन और चुनाव संचालन के व्यावहारिक अनुभव साझा किए। किसी ने चुनाव प्रबंधन के गुर बताए तो किसी ने मीडिया, कार्यालय और भाषण कला पर टिप्स दिए। कार्यकर्ताओं ने इसे "मैदान में काम आने वाला सत्र' बताया।

ऑनलाइन क्विज बना आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रीय मुद्दों, संगठन के इतिहास और समसामयिक विषयों पर आधारित ऑनलाइन क्विज ने शिविरार्थियों में उत्साह भर दिया। 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वालों को ऑनलाइन प्रमाणपत्र दिए गए। कई जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने भी परीक्षा देकर प्रमाणपत्र प्राप्त किए।

कुल्हड़ में चाय, जूट के फोल्डर और स्टील के बर्तन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को केंद्र में रखते हुए पूरा शिविर प्लास्टिक मुक्त रखा गया। जूट के फोल्डर, कागज के परिचय पत्र, कुल्हड़ों में पेय पदार्थ और स्टील के बर्तनों का उपयोग किया गया। शिविर स्थल और आवासीय कक्षों का नामकरण महापुरुषों और पार्टी के दिवंगत नेताओं के नाम पर किया गया।

नेताओं ने खुद धोए अपने बर्तन

शिविर में स्वच्छता और अनुशासन का अनूठा उदाहरण भी देखने को मिला। जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भोजन के बाद अपने बर्तन स्वयं धोए और झूठा नहीं छोड़ने का संकल्प निभाया। चिकित्सा सुविधा के लिए मेडिकल टीम भी तैनात रही। समापन अवसर पर आयोजन समिति, क्लस्टर इंचार्ज और प्रबंधन टोली के 50 से अधिक कार्यकर्ताओं का मंचासीन अतिथियों द्वारा उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

भव्य कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

▪ स्मार्ट हलचल

लाडपुरा-कस्बे में रविवार को कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारंभ हुआ। इस धार्मिक आयोजन के पहले दिन ही पूरे क्षेत्र का वातावरण भक्तिमय हो उठा और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कथा व कलश यात्रा में भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया।

पुष्प वर्षा से हुआ कलश यात्रा का स्वागत

रविवार सुबह गांव के मध्य स्थित बागवाले कुएं से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ। इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर मंगल कलश धारण कर सहभागिता निभाई। कलश यात्रा जब गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल (सामुदायिक भवन परिसर) की ओर बढ़ी, तो जगह-जगह श्रद्धालुओं ने गुलाब की पंखुड़ियों से पुष्प वर्षा कर इसका जोरदार स्वागत और अभिनंदन किया। महिलाओं के हाथों में कलश के साथ-साथ भागवत कथा के संदेश लिखी तख्तियां भी थीं, और श्रद्धालु निरंतर भगवान के नाम का जाप कर रहे थे। कथा स्थल पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने परिक्रमा कर विधि-विधान से कलश की स्थापना की।

भागवत केवल ग्रंथ नहीं, भगवान का स्वरूप है: कथा व्यास राकेश मिश्रा

सामुदायिक भवन परिसर में कथा वाचक आचार्य पंडित राकेश मिश्रा जी महाराज ने पहले दिन भागवत महात्म्य का भावपूर्ण वर्णन किया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महाराज जी ने कहा कि कलिकाल में श्रीमद्भागवत की प्राप्ति ही मनुष्य जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। यह केवल एक ग्रंथ नहीं, अपितु स्वयं भगवान श्रीकृष्ण का साक्षात वाङ्मय स्वरूप है। श्रद्धा और प्रेम के साथ कथा का श्रवण करने से भगवान के साक्षात दर्शन जैसी अनुभूति होती है।

अदृश्य आत्माओं को भी मोक्ष देती है कथा

आचार्य मिश्रा ने भागवत की महिमा बताते हुए कहा कि इस कथा में इतनी दिव्य सामर्थ्य है कि यह न केवल मानव मात्र को, बल्कि अदृश्य आत्माओं को भी मोक्ष प्रदान कर सकती है। कथा के दौरान पूरा पांडाल 'राधे-राधे' और 'जय श्रीकृष्ण' के जयकारों से गूंजता रहा और भक्तजन पूरी तरह से भक्ति रस में सराबोर नजर आए। पहले दिन की कथा ने ही श्रद्धालुओं के हृदय में एक अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर दिया।

30 मई को होगा कथा का समापन व प्रसादी

आयोजकों ने बताया कि यह सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा प्रतिदिन सामुदायिक भवन परिसर में प्रातः 10:15 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक आयोजित की जा रही है। कथा का समापन 30 मई को विशाल प्रसादी (भंडारे) के साथ होगा।

अदालत के आदेश के बाद भी चुनाव टालना लोकतंत्र की हत्या: जीवण खां

डबल इंजन सरकार पूरी तरह फेल, महंगाई से जनता त्रस्त; ब्यावर आगमन पर निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष ने भाजपा को घेरा

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निकाय प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष जीवण खां रविवार को अल्प प्रवास पर ब्यावर पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। पत्रकारों से रूबरू होते हुए उन्होंने केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार पर जमकर प्रहार किए।

जीवण खां ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल हो चुकी है। देश की अर्थव्यवस्था बदहाल है और आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। स्थानीय निकाय चुनावों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हाल ही में कोर्ट ने चुनाव आयोग को जुलाई में चुनाव कराने के आदेश दिए हैं, लेकिन भाजपा की मंशा 2027 तक भी चुनाव कराने की नहीं दिख रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पंचायत राज और निकायों के चुनाव कराने से डर रही है। बिना स्थानीय नगर सरकार के विकास कार्य पूरी तरह ठप हो चुके हैं, जो कि लोकतंत्र की हत्या है।

इस मौके पर विधानसभा प्रत्याशी पारस पंच, कांग्रेस जिलाध्यक्ष पप्पू काठात, सेवादल जिलाध्यक्ष एडवोकेट विक्रम सोनी, मेघवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष हजारी लाल भाटी, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि नन्द्री, महेंद्रतान, इब्राहिम खां, हाजी मुराद काठात, बाबू काठात, पूर्व सैनिक प्रेम काठात और बाबू भाई माली सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजस्थान कांग्रेस के ऐतिहासिक प्रशिक्षण शिविर का आगाज़

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर ।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के तत्वावधान में अजमेर के पुष्कर में "संगठन सृजन अभियान" के तहत राजस्थान और दिल्ली कांग्रेस के जिलाध्यक्षों का ऐतिहासिक 10-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर रविवार से शुरू हो गया। इस उच्च स्तरीय शिविर के उद्घाटन सत्र में ब्यावर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष किशोर चौधरी ने विशेष रूप से भाग लिया।

शिविर के पहले दिन कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संदेशों को सभी जिलाध्यक्षों के समक्ष रखा गया। उद्घाटन सत्र में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रशिक्षण विभाग के प्रभारी सचिन राव, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई दिग्गज नेता मौजूद रहे।

सादगी और कड़े अनुशासन का पाठः

23 मई से 1 जून तक चलने वाले इस शिविर में सभी नेताओं को वीआईपी संस्कृति से दूर रहना होगा। ब्यावर जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी ने बताया कि शिविर के दौरान सभी जिलाध्यक्ष खुद झाड़ू लगाएंगे, अपने बर्तन धोएंगे और गांवों में जाकर जनता से सीधा संवाद करते हुए ग्रामीण रात्रि विश्राम करेंगे। शिविर में 'टीम सचिन राव' द्वारा लीडरशिप, इलेक्शन मैनेजमेंट और सोशल मीडिया संचालन की ट्रेनिंग दी जा रही है। आगामी दिनों में राहुल गांधी और अशोक गहलोत भी जिलाध्यक्षों की क्लास लेंगे।

चौधरी ने कहा कि इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण से प्राप्त ऊर्जा और सांगठनिक कौशल का उपयोग कर वे ब्यावर जिले में कांग्रेस को बूथ स्तर पर सबसे मजबूत और अभेद्य ताकत के रूप में स्थापित करेंगे।

संडे ऑन साइकिल' अभियान में एसपी सहित 200 से अधिक लोगों ने चलाई साइकिल, योग से हुई शुरुआत, साइकिल रैली से दिया सेहत व पर्यावरण का संदेश

▪ स्मार्ट हलचल

ब्यावर। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार और 'फिट इंडिया मिशन' के तहत जिला पुलिस ब्यावर द्वारा रविवार को 'संडे ऑन साइकिल' अभियान का शानदार आयोजन किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक (SP) रतन सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों से लेकर स्थानीय नागरिकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

योगाभ्यास से हुई शुरुआत, शहर में घूमी साइकिल रैली

कार्यक्रम की शुरुआत रविवार सुबह पुलिस थाना ब्यावर सिटी परिसर में सामूहिक योगाभ्यास से हुई। यहाँ उपस्थित पुलिसकर्मियों और आमजन ने योग और प्राणायाम कर दैनिक जीवन में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इसके बाद ब्यावर सिटी थाने से साइकिल रैली को रवाना किया गया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जिसका उद्देश्य आमजन को पर्यावरण संरक्षण, शारीरिक फिटनेस और ट्रैफिक अनुशासन के प्रति जागरूक करना था।

एसपी और एडिशनल एसपी ने खुद चलाई साइकिल

इस अभियान की खास बात यह रही कि जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह और अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक श्रीमती अनुकृति उज्जैनिया ने खुद साइकिल चलाकर ब्यावर पुलिस के जवानों और स्थानीय युवाओं का उत्साहवर्धन किया। ब्यावर जिला पुलिस के इस कदम की शहरवासियों ने जमकर सराहना की।

पूरे जिले में रहा उत्साह, 200 से अधिक प्रतिभागी शामिल

यह अभियान केवल जिला मुख्यालय तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि जिले के समस्त वृत (सर्किल) कार्यालयों पर भी संबंधित वृत अधिकारियों के नेतृत्व में योग और साइकिल रैली के कार्यक्रम आयोजित किए गए। पूरे जिले में आयोजित इस कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

ट्रैफिक व्यवस्था रही चाक-चौबंद

साइकिल रैली के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने का जिम्मा यातायात शाखा ब्यावर के प्रभारी उपनिरीक्षक (उनि.) श्री पूनमचंद और उनकी टीम ने संभाला। पूरी रैली के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था बेहद अनुशासित और चुस्त-दुरुस्त रही।

भीषण गर्मी और सुपर अलनीनो के लौटने का बढ़ता खतरा

▪ स्मार्ट हलचल

राकेश अचल

वैज्ञानिकों को अब एक बार फिर से 150 साल पहले आए सुपर अल नीनो के लौटने का डर सता रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इन दिनों जैसे हालात बन रहे हैं, उसकी वजह से 1877 में आए सुपर अलनीनो जैसी स्थिति फिर से बन सकती है। तब दुनिया भर में करीब 5 करोड़ लोगों की मौत हो गई थी और कई साल तक दुनिया के अधिकतर हिस्से में धरती बांझ हो गई थी।

दिन का तापमान रिकॉर्ड तोड़ रहा है,भोपाल हो या कोलकाता, सब जगह पारा चढ़ता ही जा रहा है। मौसम वैज्ञानिक दुनियाभर में गर्मी की बदतर हो रही स्थिति को देखकर चिंतित हैं। आज से करीब 150 साल पहले धरती पर मौसम का ऐसा कहर बरपा था, जिसकी कल्पना कर आज भी लोग सिहर जाते हैं। तब पूरी दुनिया एक रेयर सुपर अल नीनो इफेक्ट का शिकार हो गई थी। धरती का तापमान करीब 3 डिग्री तक बढ़ गया था। चारों तरफ अकाल, सूखा और भुखमरी के हालात बन गए थे। सुपर अल नीनो ने ऐसी तबाही मचाई थी कि 5 करोड़ लोग तड़प- तड़प कर मर गए थे,सिर्फ भारत में ही एक करोड़ से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

अब, पूर्वानुमानों से पता चला है कि इस साल के अंत में पानी का तापमान औसत से 3 डिग्री सेल्सियस (5.4 डिग्री फारेनहाइट) से अधिक हो सकता है। इससे आने वाला सुपर अल नीनो लगभग 150 साल पहले वाले सुपर एल नीनो से भी अधिक शक्तिशाली हो जाएगा।

वाशिंगटन पोस्ट में वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर दीप्ति सिंह के हवाले से छपी रिपोर्ट के मुताबिक 1870 के दशक जैसी एक साथ कई वर्षों तक चलने वाली सूखे की स्थिति फिर से उत्पन्न हो सकती है। मानसून की बारिश न होने से भारत सबसे बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक था। यहां लंबे समय तक सूखा और अकाल जैसे हालात बन गए थे।

एक अनुमान के मुताबिक तब भारत में एक करोड़ से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी जबकि, उत्तरी चीन में विनाशकारी सूखे के कारण फसलें बर्बाद हो गईं। ब्राजील में नदियां सूख गई थीं और कृषि व्यवस्था ठप हो गई थीं। वहीं अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया के कुछ हिस्सों में भी भीषण सूखा और जंगल की आग का कहर बरपा था।

सुपर अल नीनो ने सबसे बड़े अकाल को जन्म दिया था। इसने दुनिया भर में लोगों को कमजोर कर दिया। कमजोर आबादी वाले क्षेत्रों में मलेरिया, प्लेग, पेचिश, चेचक और हैजा जैसी बीमारियों का भी प्रकोप तेजी से फैला था।

स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क एट अल्बानी के पॉल राउंडी के मुताबिक संभावित रूप से 1877 के बाद से सबसे बड़ी अलनीनो घटना हो सकती है। इस बीच, जलवायु वैज्ञानिक कैथरीन हेहो ने कहा है कि इसका मानव समाज और मानव कल्याण पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है।

अलनीनो एक प्राकृतिक जलवायु पैटर्न है जो हर दो से सात साल में एक गर्म अल नीनो और एक ठंडा ला नीना स्टेज के बीच घटित होता है। अल नीनो के इस चक्र के दौरान, प्रशांत महासागर में जमा होने वाला गर्म पानी फैल जाता है और पृथ्वी के औसत सतही तापमान को बढ़ा देता है। यह गर्मी अंत में वायुमंडल में निकल जाती है, जिससे हमारे पृथ्वी का तापमान महीनों तक बढ़ जाता है। जहां समुद्र की सतह का तापमान 2C (3.6F) से अधिक हो जाता है। इस घटना को अक्सर 'सुपर एल नीनो' कहा जाता है,हालांकि वैज्ञानिक स्वयं इस शब्द का प्रयोग नहीं करते हैं।

मौजूदा हालात से पता चलता है कि ट्रोपिकल पेसेफिक इलाके में समुद्र की सतह का तापमान इस सदी में किसी भी अन्य समय की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह एक बहुत मजबूत संकेत है कि एक शक्तिशाली अल नीनो मौसम प्रणाली विकसित हो रही है।

जलवायु पूर्वानुमान के प्रमुख विल्फ्रान मौफौमा ओकिया ने कहा है कि जलवायु मॉडल अब काफी हद तक एकमत हैं और अल नीनो की शुरुआत और उसके बाद आने वाले महीनों में इसके और अधिक तीव्र होने की संभावना है जो अपने उच्च स्तर पर पहुंच सकता है। मौसम विभाग के मॉडलिंग से पता चलता है कि समुद्र की सतह का तापमान औसत से 1.5 डिग्री सेल्सियस (2.7 डिग्री फारेनहाइट) अधिक हो सकता है और यह भी कहा गया है कि यह इस सदी में अब तक की सबसे मजबूत अल नीनो घटना हो सकती है।

जानकार कहते हैं कि आपदा भले ही बड़ी है किंतु डेढ़ सौ साल में विज्ञान ने इतनी तरक्की तो कर ही ली है कि इस भावी संकट का मुकाबला किया जा सके, लेकिन इसकी कितनी कीमत दुनिया को चुकाना पडेगी, ये कोई नहीं जानता?

मीडिया : हमको आईना दिखाना है दिखा देते हैं.....

▪ स्मार्ट हलचल

तनवीर जाफ़री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों संयुक्त अरब अमीरात,नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली देशों का दौरा किया। इस दौरान नॉर्वे की एक घटना ने एक बार फिर मीडिया उसके कर्तव्य व दायित्व को लेकर बहस छेड़ दी। दरअसल ओस्लो में जब मोदी, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के साथ जैसे ही मंच से जाने लगे उसी समय एक युवा महिला पत्रकार हेला लिंग ने मोदी को संबोधित करते हुये कुछ सवाल पूछे। हेला लिंग ने पूछा 'प्रधानमंत्री मोदी, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से सवाल क्यों नहीं लेते? मोदी पत्रकार के सवाल का जवाब दिए बिना ही वहां से चले गए। इस घटना के फ़ौरन बाद भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा उसी जगह एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई जिसमें पत्रकार हेला लिंग को भी बुलाया गया। वहाँ भी हेला लिंग ने भारत के मानवाधिकार रिकॉर्ड और प्रेस की स्वतंत्रता को लेकर कई तीखे सवाल पूछे, जिस पर भारतीय अधिकारियों ने भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और विकास का हवाला देते हुए अपना पक्ष रखने का प्रयास किया।

परन्तु नॉर्वे की इस घटना पर भारतीय 'गोदी मीडिया' ने युवा साहसी महिला पत्रकार हेला लिंग को ही कटघरे में खड़ा कर दिया और उन्हें मीडिया के कर्तव्य व दायित्व बोध का पाठ पढ़ने लगा। 'गोदी मीडिया' ने महिला पत्रकार के इस तरीक़े को सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की रणनीति' क़रार दिया। वहीँ भारत के ही स्वतंत्र, डिजिटल,वैकल्पिक,निष्पक्ष व सोशल मीडिया ने पत्रकार हेला की जमकर तारीफ़ की। इस वर्ग ने हेला लिंग के साहस की सराहना की और इसे 'सच्ची पत्रकारिता' का उदाहरण बताया तथा इस पूरी घटना को वैश्विक स्तर पर प्रेस की आज़ादी और लोकतंत्र में जवाबदेही से जोड़कर देखा। कुछ स्वतंत्र विचारकों और कई सोशल मीडिया पोर्टल्स ने तो इस अवसर का प्रयोग उन 'गोदी पत्रकारों' पर तंज़ कसने के लिए किया जो सत्ता से सवाल पूछने के बजाये सत्ता की ख़ुशामद में लगे रहते हैं। यही वजह है कि जो सवाल भारत के शीर्ष मुख्यधारा के पत्रकारों को पूछने चाहिए थे वही सवाल एक विदेशी पत्रकार को पूछने पड़ रहे हैं।

दरअसल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने अब तक एक भी नियमित संवाददाता सम्मेलन आयोजित नहीं किया है। अपने एक इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं बताया था कि वे पुरानी परिपाटी जहाँ नेता मीडिया के माध्यम से अपनी बात प्रसारित करते थे, के बजाय सीधे जनता के बीच जाकर काम करने और नई कार्य संस्कृति स्थापित करने पर विश्वास रखते हैं। मन की बात,सार्वजनिक रैलियां,चुनावी सभाएं, सम्पादकीय पृष्ठ के अपने आलेख,किसी कार्यक्रम स्थल पर आयोजित जन सभा आदि के माध्यम से जनता से इकतरफ़ा संवाद करना प्रधानमंत्री का पसंदीदा तरीक़ा है। जबकि भारत के लगभग सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की यह नियमित परंपरा रही थी कि वे विदेश दौरों से लौटने,विमान में या देश में समय-समय पर खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किया करते थे।

सच तो यह है कि मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री रहते मीडिया से जुड़े उनके कुछ ऐसे 'कटु अनुभव' रहे हैं जिसके चलते वे अब पुनः 'साहसी ' पत्रकारों से रूबरू होकर पुनः अपनी वैसी फ़ज़ीहत नहीं कराना चाहते। याद कीजिये अक्टूबर 2007 में जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे,उस समय वरिष्ठ पत्रकार करण थापर ने सी एन एन-आई बी एन के प्रसिद्ध शो 'डेविल्स एडवोकेट' के लिए अहमदाबाद में मोदी का इंटरव्यू लिया था। करण थापर ने मोदी से अपने पहले सवाल में ही 2002 के गुजरात दंगों को लेकर पूछा कि 'दंगों के पांच साल बाद भी उनकी छवि एक 'क्रूर शासक' की बनी हुई है, इसे सुधारने के लिए उन्होंने क्या किया'? जब मोदी ने कहा कि जनता उन्हें अच्छे से जानती है, तो थापर ने अगला सवाल किया कि 'आप यह क्यों नहीं कह देते कि आपको दंगों में मारे गए लोगों का दुख या पछतावा है? क्या सरकार को मुसलमानों की सुरक्षा के लिए और क़दम नहीं उठाने चाहिए थे?' इस सवाल पर मोदी पूरी तरह असहज हो गए। उन्होंने कहा कि जो मुझे कहना था, मैं उस समय कह चुका हूँ। परन्तु जब थापर ने बार-बार उसी सवाल को दोहराया, तो मोदी ने इंटरव्यू आगे बढ़ाने से मना कर दिया। 3- 4 मिनट के भीतर ही मोदी ने पानी पीने का बहाना कर अपने कुर्ते पर लगा माइक निकाला और उसे टेबल पर रख दिया। फिर उन्होंने बहुत ही शालीनता से थापर से कहा—'दोस्ती बनी रहे। आप यहाँ आए, इसके लिए धन्यवाद।' इसके बाद वे कैमरे के सामने से उठकर चले गए।

ऐसी ही दूसरी घटना वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान की है। उस समय वरिष्ठ पत्रकार विजय त्रिवेदी एन डी टी वी के लिए 'चक्रव्यूह' नामक एक शो करते थे। उन्होंने मोदी का इंटरव्यू चुनावी रैली पर जाते समय हेलीकॉप्टर यात्रा के दौरान लिया। त्रिवेदी ने भी मोदी से पूछा कि क्या गुजरात दंगों के लिए भाजपा या उन्हें (मोदी को) माफ़ी मांगनी चाहिए? मोदी ने इस पर कहा कि वे इस विषय पर कई इंटरव्यू में पहले ही बोल चुके हैं। लेकिन जब त्रिवेदी ने लगातार इस सवाल पर दबाव बनाया, तो मोदी का मूड बदल गया। बाद मोदी ने ग़ुस्से में आकर सवालों के जवाब देना पूरी तरह बंद कर दिया और चुप हो गए। मोदी ने अपना ही हाथ आगे बढ़ाकर कैमरे के लेंस को बंद करवा दिया। इसके बाद का पूरा सफ़र दोनों ने बिना एक-दूसरे से बात किए और खिड़की से बाहर देखते हुए बिताया। हेलीकॉप्टर के उतरते ही मोदी ने विजय त्रिवेदी से कहा—'विजय भाई, यह हमारी आख़िरी मुलाक़ात है।' इसके बाद मोदी अपनी जनसभा को संबोधित करने चले गए। जबकि विजय त्रिवेदी और उनकी टीम को हेलीकॉप्टर से नीचे उतार दिया गया। बाद में त्रिवेदी को संदेश मिला कि मोदी हेलीकॉप्टर लेकर वापस जा चुके हैं। त्रिवेदी और उनकी टीम को वापस लौटने के लिए वहाँ कोई गाड़ी नहीं मिली, जिसके बाद उन्हें एक ट्रैक्टर और फिर लोकल बस के द्वारा क़रीब 8 घंटे की यात्रा कर अपने गंतव्य तक वापस लौटना पड़ा था।

यह घटनायें इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये काफ़ी हैं कि मोदी स्वतंत्र व निष्पक्ष मीडिया से संवाद क्यों नहीं करते। वे वास्तविक व निष्पक्ष पत्रकारों के इस सिद्धांत को बख़ूबी जानते हैं कि 'न स्याही के हैं दुश्मन न सफ़ेदी के हैं दोस्त। हमको आईना दिखाना है दिखा देते हैं।